सरस्वती महिला महाविद्यालय विजय नगर, कानपुर
अर्धवार्षिक परीक्षा 2016–17
बी0ए0 प्रथम वर्ष
हिन्दी साहित्य प्रथम प्रश्न पत्र

नोट :– सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।

(खण्ड–अ)

1.जायसी के विरह वर्णन की विशेषताएँ बताइये।
2. भ्रमरगीत परम्परा में सूर के भ्रमरगीत का स्थान बताइये।
3. घनानन्द को रीतिमुक्त कवि क्यों कहा जाता है ?
4. सिद्ध साहित्य की सामान्य विशेषता बताइये।
5. सन्देशरासक क्या है ? बताइये।
6. चन्दरबरदायी के 'पृथ्वीराज रासो' की भाषा पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड–ब)

नोट :– खण्ड ब में किन्ही दो गद्यांशों की व्याख्या करना अनिवार्य है।

1. गूँगा हूवा बावरा, बहरा हूआ कान।
पाँवॉ तै पंगुल भया, सतगुरू मारा बान।।

2. एक दिवस पून्यों तिथि आई। मानसरोदक चली अन्हाई।।
पद्मावती सब सखी बोलाई। जनु फुलवारी सबै चलि आई।।
कोई चम्पा कोई कुन्द सहेली। कोई सु केत करना रसबेली।।
कोई सु गुलाल सुदरसन राती। कोई सो बकावरि–बकुंचन भाँती।।

3. बुझत स्याम कौन तू गोरी।
कहाँ रहत काफी है बेटी देखी कबहूँ नही ब्रज खोरी।।
तुम्हरो कहा चोरी हम लैहैं खेलन चलौ संङ्ग मिलि जोरी।।
सूरदास प्रभु रसिक सिरोमनि बातन भुरई राधिका भोरी।।

4. चरन–कमल बंदौ हरि – राइ।
जकि कृपा पंगु गिरि लंघै, अंधे को सब कुछ दरसाई।
बहिरो सुनै गूँग पुनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र धराई।
सूरदास स्वामी करूनामय, बार बार बंदौ तिहिं पाई।।

(खण्ड–स)

नोट :– खण्ड स से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. कबीर की भाषा सधुक्कणी, पंचमेल खिचड़ी कही जाती है। विवेचना कीजिए।

अथवा

2. सूर के वात्सल्य वर्णन के संयोग पक्ष की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

3.गोस्वामी तुलसीदास की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

4. सिद्ध कीजिए कि जायसी के 'पद्मावत' में भाव पक्ष और कलापक्ष का सुन्दर समन्वय हुआ है।